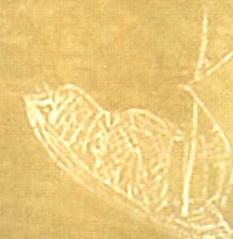


中國文字傳媒

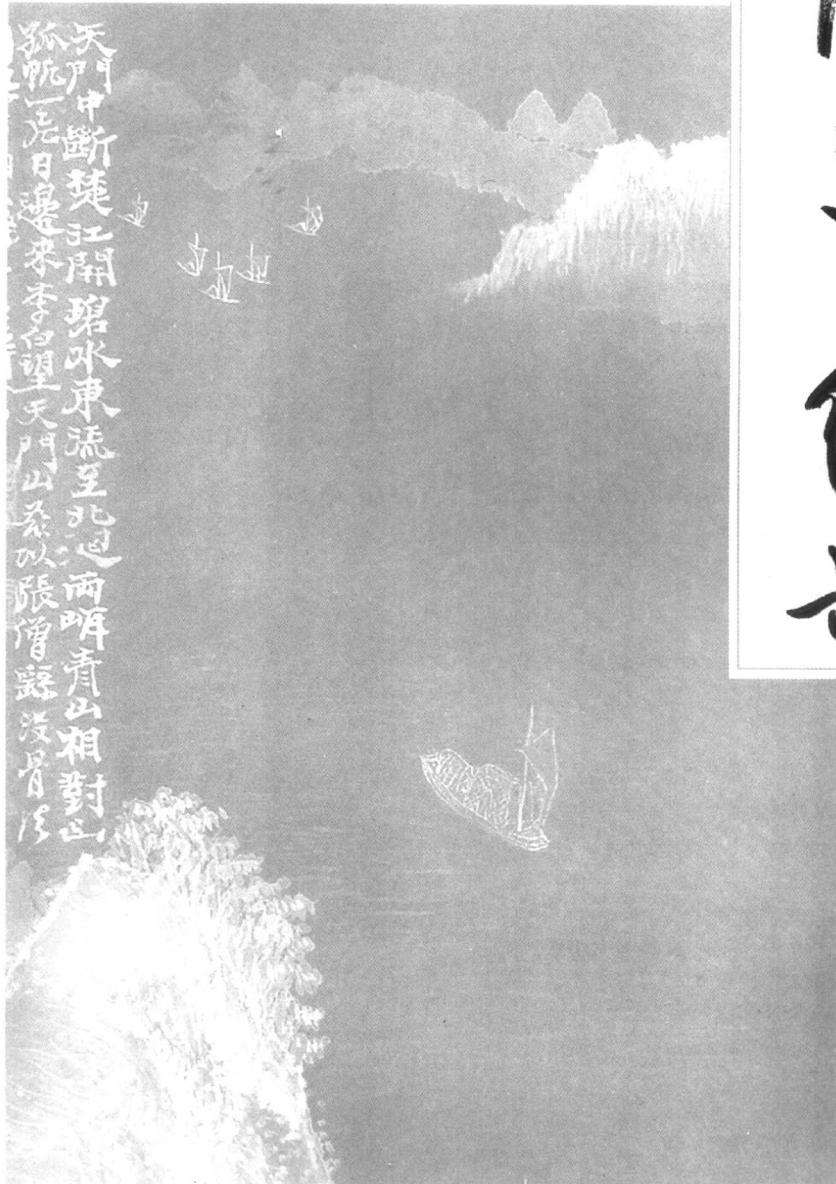
周嘯天 编著



天門中斷楚江開碧水東流至此迴
孤帆一片日邊來李白望天門山參以張僧繇渡骨度

中國文字狂想曲

周嘯天 编著



四川大学出版社

责任编辑:李 静
责任校对:李思莹
封面设计:吴 强
责任印制:杨丽贤

图书在版编目(CIP)数据

中国文学经典 / 周啸天编著. —成都: 四川大学出版社, 2006.9

ISBN 7-5614-3533-9

I. 中... II. 周... III. 古典文学 - 文学欣赏 - 中国 IV. I206.2

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2006) 第 109085 号

书名 中国文学经典

编 著 周啸天
出 版 四川大学出版社
地 址 成都市一环路南一段 24 号 (610065)
发 行 四川大学出版社
印 刷 郫县犀浦印刷厂
成品尺寸 180 mm×250 mm
印 张 13.75
字 数 316 千字
版 次 2006 年 9 月第 1 版
印 次 2006 年 9 月第 1 次印刷
印 数 0 001~4 000 册
定 价 24.00 元

◆ 读者邮购本书, 请与本社发行科联系。电 话: 85408408/85401670/
85408023 邮政编码: 610065
◆ 本社图书如有印装质量问题, 请寄回出版社调换。

前　　言

周啸天

这个文本是为了使普通高校学生在一学年时间内，尽可能多地涉猎中国历代文学各个部类文学经典而编选的。

中国文学遗产异常丰富多彩，以特有的风姿独立于世界文学之林。其品类繁多，源远流长。中国传统的文学观念是把文学提到事关教化的高度来认识的，各朝统治者大都重视、爱好乃至提倡文艺，尽管不断改朝换代，但从诗经开始，到近代小说戏曲，历代文学一脉相承，未尝间断。

在三千多年中，产生的世界性作家就有屈原、司马迁、陶渊明、李白、杜甫、白居易、苏东坡、关汉卿、王实甫、施耐庵、冯梦龙、曹雪芹等，指不胜屈。至于文学名著，更是数不胜数，为世界文学宝库增添了不少瑰宝。

欧洲语文以文艺复兴断限，以前为古文，以后为今文。欧洲古文（拉丁文）的文学原著，非专家不能直接阅读和欣赏。而中国历代文学经典情况有所不同，许多古文中的成语格言至今流传，唐诗宋词只要稍加注释便能理解。

“试想整整一千二百年前，唐朝天宝时代的诗人巨作，我们现在能念得，而且从它的原文里直接享受它的好处，这是世界各国所没有的。更追溯上去，有些周朝的诗经也可以懂得。文艺复兴时代相当于我国的元明，相对唐宋已很晚近，更不用说周汉了。三千年前的诗歌，至今还可以从原作直接鉴赏，岂不是国人很大的幸福么？”（周启明《读古诗》）

不过，文言作为一种书面语言，与语体还是有区别的，非看不能知道它们的意义，非朗读不能体会它们的口气，所以“背诵名篇，非常必要。这种方法似笨拙，实巧妙。它可以使古典作品中的形象、意境、风格、节奏等都铭刻在脑海中，一辈子也磨洗不掉。因而才可能由于对它们非常熟悉，而懂得非常深透。光看不行”。（程千帆《詹詹录》）

在中国传统文学观中，文学被认为是“经国之大业，

曹宝麟书欣托居词

不朽之盛事”，诗歌被认为具有“补察时政，泄导人情”的作用，“载道派”文艺和现实主义创作方法一直占有主导的地位。诵读文学经典，有助于人文精神的培养。

文学经典名篇，往往是某一特定历史时期独有的产物，是时代精神的结晶，它所凝聚的美，不仅是永恒的，而且是不可复制的。诗经、楚辞、唐诗、宋词等等，被称为“一代之文学”而为后世诵习，如同马克思赞美的希腊神话那样，成为一种规范和高不可及的范本。诵读文学经典，有助于增强审美能力，提升人生趣味。

同时“听千曲而后晓音，观千剑而后识器”，所有名篇都在告诉人们怎么写。古代文学家提出的一些写作原则，诸如“修辞立诚”、“辞达而已”、“行云流水”等等，都很好地体现在文学经典文本中。诵读文学经典，有助于提高驾驭母语的能力。

本编根据兼顾时序与文体，分诗经易传、左传国策、先秦诸子、楚辞汉赋、史记汉书、乐府古诗、八代诗文、六朝小说、唐诗、唐传奇、唐宋文、唐宋词、宋诗、话本小说、元曲、明清传奇、明清诗文、红楼梦共十八类，为读者提供中国文学最经典的、可资背诵的文本五百余篇，同时摘录了部分历代经典的评论，附于重要作家、作品之前，以供教学之参考。

2006年7月3日于欣托居



傅抱石绘联吟图

目 录

| | | |
|---|----------------------|------|
| 一 | 诗经易传 | (1) |
| | 关雎 (周南) | (2) |
| | 卷耳 (周南) | (2) |
| | 芣苢 (周南) | (2) |
| | 汉广 (周南) | (2) |
| | 野有死麋 (召南) | (2) |
| | 静女 (邶风) | (2) |
| | 桑中 (鄘风) | (3) |
| | 硕人 (卫风) | (3) |
| | 氓 (卫风) | (3) |
| | 伯兮 (卫风) | (3) |
| | 黍离 (王风) | (3) |
| | 将仲子 (郑风) | (4) |
| | 褰裳 (郑风) | (4) |
| | 出其东门 (郑风) | (4) |
| | 溱洧 (郑风) | (4) |
| | 蒹葭 (秦风) | (4) |
| | 无衣 (秦风) | (5) |
| | 七月 (幽风) | (5) |
| | 采薇 (小雅) | (5) |
| | 斯干 (小雅) | (6) |
| | 乾卦 (易经) | (6) |
| | 坤卦 (易经) | (6) |
| | 天尊地卑 (易经·系辞上一) | (6) |
| | 形而上者谓之道 (易经·系辞上十二) | (7) |
| 二 | 左传国策 | (8) |
| | 左传 | (8) |
| | 晋公子重耳之亡 (僖公二十三、二十四年) | (8) |
| | 秦晋崤之战 (僖公三十二、三十三年) | (9) |
| | 国语 | (10) |
| | 邵公谏厉王弭谤 (周语上) | (10) |

| | | |
|------------------|-------|------|
| 战国策 | | (11) |
| 苏秦始将连横 (秦策一) | | (11) |
| 冯谖客孟尝君 (齐策四) | | (12) |
| 三 先秦诸子 | | (13) |
| 论语 | | (13) |
| 吾十有五而志于学 (为政) | | (14) |
| 宰予昼寝 (公冶长) | | (14) |
| 贤哉回也 (雍也) | | (14) |
| 叶公问孔子 (述而) | | (14) |
| 子路曾皙冉有公西华侍坐 (先进) | | (14) |
| 孟子 | | (15) |
| 齐桓晋文之事 (梁惠王上) | | (15) |
| 老子 | | (16) |
| 众妙之门 (章一) | | (16) |
| 功成弗居 (章二) | | (16) |
| 功成身退 (章九) | | (16) |
| 道法自然 (章二五) | | (17) |
| 自胜者强 (章三三) | | (17) |
| 大巧若拙 (章四五) | | (17) |
| 为道日损 (章四八) | | (17) |
| 其安易持 (章六十四) | | (17) |
| 小国寡民 (章八十) | | (17) |
| 信言不美 (章八一) | | (17) |
| 庄子 | | (17) |
| 庖丁解牛 (养生主) | | (18) |
| 韩非子 | | (18) |
| 楚人鬻珠 (外储说左上) | | (18) |
| 郢书燕说 (外储说左上) | | (18) |
| 郑人买履 (外储说左上) | | (18) |
| 四 楚辞汉赋 | | (19) |
| 楚辞 | | (20) |
| 屈原 | | (20) |
| 离骚 (节选) | | (20) |
| 湘夫人 (九歌) | | (21) |
| 山鬼 (九歌) | | (21) |
| 国殇 (九歌) | | (22) |
| 宋玉 | | (22) |
| 悲秋 (九辩) | | (22) |

| | |
|-------------------|------|
| 汉赋 | (22) |
| 贾谊 | (22) |
| 鹏鸟赋 | (22) |
| 张衡 | (23) |
| 归田赋 | (23) |
| 五 史记汉书 | (24) |
| 司马迁 | (24) |
| 项羽本纪（史记·本纪第七） | (24) |
| 魏其武安侯列传（史记·列传第四七） | (29) |
| 班固 | (32) |
| 苏武传（汉书·列传第廿四） | (32) |
| 六 乐府古诗 | (35) |
| 汉乐府 | (35) |
| 战城南 | (35) |
| 箜篌引 | (36) |
| 上邪 | (36) |
| 江南 | (36) |
| 陌上桑 | (36) |
| 东门行 | (36) |
| 饮马长城窟行 | (36) |
| 十五从军征 | (36) |
| 上山采蘼芜 | (36) |
| 羽林郎（辛延年） | (36) |
| 长歌行 | (37) |
| 焦仲卿妻并序 | (37) |
| 班婕妤 | (39) |
| 怨歌行 | (39) |
| 旧题苏李诗 | (39) |
| 携手上河梁 | (39) |
| 结发为夫妻 | (39) |
| 古诗十九首 | (39) |
| 行行重行行 | (39) |
| 青青河畔草 | (40) |
| 西北有高楼 | (40) |
| 涉江采芙蓉 | (40) |
| 明月皎夜光 | (40) |
| 冉冉孤生竹 | (40) |
| 庭中有奇树 | (40) |

| | | |
|---------------|-------|------|
| 迢迢牵牛星 | | (40) |
| 回车驾言迈 | | (40) |
| 去者日以疏 | | (40) |
| 孟冬寒气至 | | (40) |
| 客从远方来 | | (40) |
| 七 八代诗文 | | (41) |
| 曹操 | | (43) |
| 蒿里行 | | (43) |
| 苦寒行 | | (43) |
| 短歌行 | | (43) |
| 观沧海（步出夏门行） | | (43) |
| 龟虽寿（步出夏门行） | | (43) |
| 曹丕 | | (43) |
| 燕歌行 | | (44) |
| 与吴质书 | | (44) |
| 曹植 | | (44) |
| 白马篇 | | (45) |
| 野田黄雀行 | | (45) |
| 王粲 | | (45) |
| 七哀诗 | | (45) |
| 登楼赋 | | (45) |
| 蔡琰 | | (46) |
| 悲愤诗 | | (46) |
| 嵇康 | | (46) |
| 与山巨源绝交书 | | (46) |
| 向秀 | | (48) |
| 思旧赋并序 | | (48) |
| 阮籍 | | (48) |
| 咏怀诗（录一） | | (48) |
| 潘岳 | | (49) |
| 悼亡诗 | | (49) |
| 陆机 | | (49) |
| 赴洛道中作 | | (49) |
| 左思 | | (49) |
| 咏史（录二） | | (49) |
| 娇女诗 | | (49) |
| 陶渊明 | | (50) |
| 五柳先生传 | | (50) |

| | |
|-----------|------|
| 归园田居（录三） | (50) |
| 饮酒 | (50) |
| 移居 | (51) |
| 读山海经 | (51) |
| 桃花源诗并记 | (51) |
| 归去来兮辞并序 | (51) |
| 谢灵运 | (52) |
| 登池上楼 | (52) |
| 鲍照 | (52) |
| 拟行路难（录一） | (53) |
| 沈约 | (53) |
| 别范安成 | (53) |
| 谢朓 | (53) |
| 玉阶怨 | (53) |
| 王孙游 | (53) |
| 陶宏景 | (53) |
| 答谢中书书 | (53) |
| 吴均 | (54) |
| 与宋元思书 | (54) |
| 庾信 | (54) |
| 春赋 | (54) |
| 哀江南赋（节）并序 | (55) |
| 南朝乐府 | (55) |
| 子夜歌（四首） | (55) |
| 子夜四时歌（四首） | (56) |
| 大子夜歌 | (56) |
| 懊侬歌 | (56) |
| 读曲歌 | (56) |
| 那呵滩（二首） | (56) |
| 白石郎曲 | (56) |
| 清溪小姑曲 | (56) |
| 拔蒲（二首） | (56) |
| 西湖曲 | (56) |
| 北朝乐府 | (57) |
| 琅琊王歌辞 | (57) |
| 幽州马客吟歌辞 | (57) |
| 陇头歌辞（三首） | (57) |

| | | |
|-----------------------|-------|------|
| 木兰诗 | | (57) |
| 八 六朝小说 | | (58) |
| 张华 | | (58) |
| 王周南(列异记) | | (58) |
| 何文(列异记) | | (58) |
| 干宝 | | (59) |
| 董永(搜神记) | | (59) |
| 三王墓(搜神记) | | (59) |
| 韩凭妻(搜神记) | | (60) |
| 葛洪 | | (60) |
| 画工弃市(西京杂记) | | (60) |
| 相如死渴(西京杂记) | | (60) |
| 刘义庆 | | (61) |
| 华歆王朗(世说新语·德行) | | (61) |
| 王恭舍簾(世说新语·德行) | | (61) |
| 过江诸人(世说新语·言语) | | (61) |
| 祖约阮孚(世说新语·雅量) | | (62) |
| 床头捉刀(世说新语·容止) | | (62) |
| 潘岳左思(世说新语·容止) | | (62) |
| 周处除害(世说新语·自新) | | (62) |
| 阿堵传神(世说新语·巧艺) | | (62) |
| 刘伶病酒(世说新语·任诞) | | (62) |
| 雪夜访戴(世说新语·任诞) | | (63) |
| 温公丧妇(世说新语·假谲) | | (63) |
| 石崇邀客(世说新语·汰侈) | | (63) |
| 石王争豪(世说新语·汰侈) | | (63) |
| 王述性急(世说新语·忿狷) | | (63) |
| 韩寿偷香(世说新语·惑溺) | | (63) |
| 梁祝故事(清俞樾《茶香室四钞》引邵金彪文) | | (64) |
| 九 唐诗 | | (65) |
| 王绩 | | (67) |
| 野望 | | (67) |
| 王勃 | | (67) |
| 送杜少府之任蜀川 | | (67) |
| 杨炯 | | (67) |
| 从军行 | | (67) |
| 卢照邻 | | (67) |
| 长安古意 | | (67) |

| | | |
|------------|-------|------|
| 骆宾王 | | (67) |
| 在狱咏蝉 | | (67) |
| 杜审言 | | (68) |
| 和晋陵陆丞早春游望 | | (68) |
| 沈佺期 | | (68) |
| 杂诗 | | (68) |
| 宋之问 | | (68) |
| 题大庾岭北驿 | | (68) |
| 度大庾岭 | | (68) |
| 刘希夷 | | (68) |
| 代悲白头翁 | | (68) |
| 张若虚 | | (68) |
| 春江花月夜 | | (69) |
| 张九龄 | | (69) |
| 望月怀远 | | (69) |
| 陈子昂 | | (69) |
| 感遇 | | (69) |
| 登幽州台歌 | | (69) |
| 王湾 | | (69) |
| 次北固山下 | | (69) |
| 贺知章 | | (69) |
| 回乡偶书（二首） | | (69) |
| 孟浩然 | | (70) |
| 临洞庭赠张丞相 | | (70) |
| 晚泊浔阳望香炉峰 | | (70) |
| 过故人庄 | | (70) |
| 与诸子登岘山 | | (70) |
| 游精思观回王白云在后 | | (70) |
| 夏夕南亭怀辛大 | | (70) |
| 春晚 | | (70) |
| 宿建德江 | | (70) |
| 王维 | | (70) |
| 陇西行 | | (70) |
| 少年行 | | (70) |
| 观猎 | | (70) |
| 使至塞上 | | (71) |
| 渭川田家 | | (71) |
| 辋川闲居赠裴秀才迪 | | (71) |

| | | |
|--------------|-------|------|
| 王维 | | |
| 山居秋暝 | | (71) |
| 终南别业 | | (71) |
| 终南山 | | (71) |
| 汉江临泛 | | (71) |
| 鸟鸣涧（皇甫岳云溪杂题） | | (71) |
| 鹿柴（辋川集） | | (71) |
| 竹里馆（辋川集） | | (71) |
| 杂诗 | | (71) |
| 相思 | | (71) |
| 九月九日忆山东兄弟 | | (71) |
| 送元二使安西 | | (72) |
| 送沈子福归江南 | | (72) |
| 辋川六言 | | (72) |
| 高适 | | (72) |
| 燕歌行并序 | | (72) |
| 营州歌 | | (72) |
| 别董大 | | (72) |
| 塞上听吹笛 | | (72) |
| 岑参 | | (72) |
| 走马川行奉送出师西征 | | (72) |
| 白雪歌送武判官归京 | | (72) |
| 送李副使赴碛西官军 | | (73) |
| 逢入京使 | | (73) |
| 碛中作 | | (73) |
| 赵将军歌 | | (73) |
| 王昌龄 | | (73) |
| 从军行（录四） | | (73) |
| 出塞 | | (73) |
| 春宫曲 | | (73) |
| 西宫春怨 | | (73) |
| 长信秋词（录二） | | (73) |
| 闺怨 | | (73) |
| 芙蓉楼送辛渐 | | (73) |
| 王翰 | | (73) |
| 凉州词 | | (73) |
| 王之涣 | | (74) |
| 凉州词 | | (74) |
| 李颀 | | (74) |

| | |
|--------------|------|
| 古从军行 | (74) |
| 李白 | (74) |
| 远别离 | (74) |
| 蜀道难 | (74) |
| 将进酒 | (75) |
| 行路难 | (75) |
| 宣州谢朓楼饯别校书叔云 | (75) |
| 江上吟 | (75) |
| 关山月 | (75) |
| 月下独酌 | (76) |
| 静夜思 | (76) |
| 独坐敬亭山 | (76) |
| 秋浦歌 | (76) |
| 峨眉山月歌 | (76) |
| 赠汪伦 | (76) |
| 望庐山瀑布水 | (76) |
| 黄鹤楼送孟浩然之广陵 | (76) |
| 闻王昌龄左迁龙标遥有此寄 | (76) |
| 望天门山 | (76) |
| 早发白帝城 | (76) |
| 杜甫 | (76) |
| 兵车行 | (77) |
| 后出塞 | (77) |
| 自京赴奉先县咏怀五百字 | (77) |
| 春望 | (78) |
| 新安吏 | (78) |
| 石壕吏 | (78) |
| 梦李白二首 | (78) |
| 蜀相 | (78) |
| 客至 | (78) |
| 春夜喜雨 | (78) |
| 茅屋为秋风所破歌 | (78) |
| 闻官军收河南河北 | (79) |
| 登楼 | (79) |
| 秋兴（录二） | (79) |
| 登高 | (79) |
| 旅夜书怀 | (79) |
| 登岳阳楼 | (79) |

| | |
|--------------|------|
| 赠花卿 | (79) |
| 江南逢李龟年 | (79) |
| 刘长卿 | (79) |
| 新年作 | (79) |
| 逢雪宿芙蓉山主人 | (79) |
| 送灵彻上人 | (79) |
| 听弹琴 | (79) |
| 司空曙 | (80) |
| 云阳馆与韩绅宿别 | (80) |
| 喜外弟卢纶见宿 | (80) |
| 韦应物 | (80) |
| 寄全椒山中道士 | (80) |
| 长安遇冯著 | (80) |
| 滁州西涧 | (80) |
| 卢纶 | (80) |
| 塞下曲（录二） | (80) |
| 李益 | (80) |
| 喜见外弟又言别 | (80) |
| 从军北征 | (80) |
| 夜上受降城闻笛 | (80) |
| 听晓角 | (80) |
| 江南曲 | (80) |
| 孟郊 | (81) |
| 游子吟 | (81) |
| 登科后 | (81) |
| 韩愈 | (81) |
| 山石 | (81) |
| 左迁至蓝关示侄孙湘 | (81) |
| 次潼关先寄张十二阁老使君 | (81) |
| 早春呈水部张十八员外 | (81) |
| 晚春 | (81) |
| 柳宗元 | (81) |
| 登柳州城楼寄漳汀封连四州 | (81) |
| 江雪 | (81) |
| 酬乐天扬州初逢席上见赠 | (82) |
| 刘禹锡 | (82) |
| 竹枝词（录三） | (82) |
| 浪淘沙 | (82) |

| | |
|-------------------|------|
| 踏歌词 (录二) | (82) |
| 再游玄都观 | (82) |
| 石头城 (金陵五题) | (82) |
| 乌衣巷 (金陵五题) | (82) |
| 西塞山怀古 | (82) |
| 酬乐天扬州初逢席上见赠 | (82) |
| 王建 | (82) |
| 望夫石 | (82) |
| 宫词 (录二) | (82) |
| 张籍 | (82) |
| 节妇吟 | (82) |
| 白居易 | (83) |
| 买花 (秦中吟) | (83) |
| 上阳白发人 (新乐府) | (83) |
| 长恨歌 | (83) |
| 琵琶行并序 | (84) |
| 赋得古原草送别 | (85) |
| 元稹 | (85) |
| 遣悲怀 (录二) | (85) |
| 六年春遣怀 | (85) |
| 李贺 | (85) |
| 李凭箜篌引 | (86) |
| 雁门太守行 | (86) |
| 梦天 | (86) |
| 金铜仙人辞汉歌并序 | (86) |
| 将进酒 | (86) |
| 杜牧 | (86) |
| 过华清宫 | (86) |
| 江南春绝句 | (86) |
| 赤壁 | (86) |
| 泊秦淮 | (86) |
| 寄扬州韩绰判官 | (86) |
| 赠别二首 | (86) |
| 山行 | (87) |
| 秋夕 | (87) |
| 金谷园 | (87) |
| 李商隐 | (87) |
| 锦瑟 | (87) |

| | |
|---------------|-------|
| 无题（录五） | (87) |
| 马嵬 | (87) |
| 夜雨寄北 | (87) |
| 嫦娥 | (87) |
| 乐游原 | (87) |
| 十 唐传奇 | (88) |
| 白行简 | (88) |
| 李娃传 | (88) |
| 元稹 | (92) |
| 莺莺传 | (92) |
| 杜光庭 | (94) |
| 虬髯客传 | (94) |
| 十一 唐宋文 | (97) |
| 唐文 | (98) |
| 王勃 | (98) |
| 滕王阁序 | (98) |
| 骆宾王 | (99) |
| 代李敬业传檄天下文 | (99) |
| 王维 | (99) |
| 山中与裴迪秀才书 | (99) |
| 李白 | (99) |
| 春夜宴从弟桃李园序 | (99) |
| 与韩荆州书 | (100) |
| 韩愈 | (100) |
| 杂说 | (101) |
| 送李愿归盘谷序 | (101) |
| 送董邵南游河北序 | (101) |
| 柳宗元 | (102) |
| 桐叶封弟辩 | (102) |
| 蝦蟆传 | (102) |
| 至小丘西小石潭记 | (102) |
| 刘禹锡 | (103) |
| 陋室铭 | (103) |
| 宋文 | (103) |
| 范仲淹 | (103) |
| 岳阳楼记 | (103) |
| 欧阳修 | (103) |
| 醉翁亭记 | (104) |